महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा गोद लिए गए तृतीय चरण गाँवों में सम्पादित सेक्टरवाइज गतिविधियाँ

(गाँव–मदार एवं ब्राह्मणों की हुंदर)

➢ अक्षय ऊर्जा एवं ऊर्जा बचत प्रशिक्षण कार्यक्रम :

- गाँव **मदार** में AICRP द्वारा ICAR-SC-SP स्कीम के तहत अनुसूचित जाति की किसान महिलाओं के लिए होम साइन्स एवं ऊर्जा बचत प्रौद्योगिकियों पर 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 25 किसान महिलाओं ने भाग लिया।
- स्कूल परिसर में नाबार्ड के वित्तीय सहयोग से स्थापित 5 kv क्षमता वाले 'सोलर ट्री' का निरीक्षण किया गया, यह राजस्थान में स्थापित पहला 'सोलर ट्री है, जिसमें औसतन 20 यूनिट बिजली पैदा होने की उम्मीद है, जो स्कूल, पनघट एवं कुछ स्ट्रीट लाइट की जरूरतों को पूरा करेगा।
- गाँव में अक्षय ऊर्जा संसाधनों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सह प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 30 एससी किसान महिलाओं ने भाग लिया। मदार गाँव की 30 अनुसूचित जाति की किसान महिलाओं को सोलर कूकर, सोलर बैटरी, हाउस लाइट सिस्टम एवं मोबाइल चार्ज आदि प्रदान किए गए।
- गाँव में अक्षय ऊर्जा स्रोत अर्थात सोलर कुकर, सोलर होम लाइटिंग सिस्टम, बायोगैस एवं गैसीफायर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रामीण जीवन के लिए सोलर होम लाइट सिस्टम, इसके उपयोग एवं महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया तथा विभिन्न व्यंजनों के बारे में भी बात की गई, जिन्हें पोषक तत्व नष्ट किए बिना सोलर कुकर में पकाया जा सकता है। प्रशिक्षण में कुल 80 कृषक महिलाओं ने भाग लिया।

➢ कृषि एवं पशुपालन उत्पादन वृद्धि एवं अन्य गतिविधियाँ :

- गाँव मदार में पशु चालित कृषि उपकरणों एवं मशीनों पर एक दिवसीय जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 125 किसानों ने भाग लिया। पाँच किसानों को 800 मीटर HDPE पाईप एवं छिड़काव मशीनें उपलब्ध करवाई गयी तथा 75–कृषि कलेण्डरों का वितरण किया गया।
- गाँव में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर रबी फसलों सरसों, चना एवं गेहूँ की उत्पादन तकनीकों पर चर्चा की गई। जिसमें 55 पुरूष/महिला किसानों ने भाग लिया।
- अनुसंधान निदेशालय के वैज्ञानिकों द्वारा जैविक खेती स्कीम के तहत दिनांक 22.02.2021 को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें नादेप (NADEP) एवं वर्मीकम्पोस्ट यूनिट की स्थापना की गई। अनुसूचित जाति के 35 किसानों को स्प्रे मशीन प्रदान की गई।
- मक्का और सोयाबीन में एकीकृत खरपतवार प्रबंधन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सोयाबीन के लिए खरपतवारनाशी घोल (इमाजेथापायर) तैयार कर, इसका छिड़काव कैसे करें आदि पर प्रशिक्षण दिया गया।
- मक्के की फसल की विभिन्न किस्मों का प्रदर्शन कर किसानों को मक्का के बीजों एवं जैविक खाद्य वितरित किया गया।

- गाँव में गेहूँ उत्पादन तकनीक पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 70 किसानों ने भाग लिया। महत्वपूर्ण इनपुट–गेहूँ के बीज, DBW-187, एजेटोबेक्टर एवं PSB प्रत्येक किसानों को एक बीघा क्षेत्र के लिए उपलब्ध कराये गये।
- गाँव में गेहूँ में जिंक के प्रयोग पर किसान गोष्ठी सह खेत दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के 60 किसानों ने भाग लिया।
- खरीफ सीजन एवं सरकार की योजनाओं आदि के लिए मृदा परीक्षण कार्यक्रम के बारे में किसानों को जागरूक किया गया।
- बीज एवं अनाज के सुरक्षित भंडारण पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 50 स्टील के डिब्बे (2 किग्रा. क्षमता) 50 अनुसूचित जाति के परिवारों को वितरित किए गए।
- कंद फसलों की खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सह प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित कर रतालू, सूरन, शकरकंद की उन्नत किस्मों एवं उत्पादन प्रौद्योगिकियों पर विचार–विमर्श किया गया।
- पशुपालन विभाग के सहयोग से ग्राम–मदार में पशु उपचार एवं टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 2 पशु चिकित्सक एवं 6 पशु चिकित्सा सहायकों द्वारा पशुओं का इलाज किया गया, जैसे 360 गायों, भैंसों को ईटी का टीका लगाया गया, 18 गायों, भैंसों के बांझपन प्रबंधन हेतु इलाज किया गया, 457 गायों, भैंसों एवं 590 भेड़–बकरियों को आंतरिक एवं बाहरी परजीवियों से बचाने के लिए इलाज किया गया।

➢ पशुपालन एवं पोल्ट्री उत्पादन :

- गाँव में अनुसूचित जाति के किसानों को पोल्ट्री के लिए 85 जल ट्रे एवं फीड बॉक्स प्रदान किए गए। साथ ही लाभार्थी परिवारों को 25 किलो पोल्ट्री फीड वितरित किया गया। बैकयार्ड पोल्ट्री प्रबंधन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर किसानों को छः सप्ताह के 200 प्रतापधन चूजे दिये गये।
- पशुधन फार्म, आरसीए में **'बकरी पालन'** पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के बाद उन्हें 25 सिरोही नस्ल की बकरियां एवं एक बकरा प्रदान किया गया।
- बड़गाँव के पशु चिकित्सक द्वारा गाँव **मदार** का विजिट कर बीमार बकरियों का इलाज किया गया तथा ICAR-SP स्कीम के तहत 25 बकरियां उपलब्ध कराई गई।
- गाँव ब्राह्मणों–की–हुंदर में डेयरी फार्मिंग एवं वर्मी कम्पोस्ट पर 16 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 25 महिलाओं ने भाग लिया।
- गाँव में पशुपालन, कृषि एवं बागवानी योजनाओं पर एक प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर राज्य एवं केन्द्र सरकार की योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया गया, जिसमें 67 किसानों ने भाग लिया।

➢ कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार :

- 15 दिवसीय कटिंग एवं टेलरिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मदार गाँव की 4 महिलाओं सहित उदयपुर जिले की 25 अनुसूचित जाति की महिलाओं ने भाग लिया।

- AICRP-H.Sc, CCAS, उदयपुर द्वारा गाँव में पोषक वाटिका, संतुलित आहार एवं सुरक्षात्मक कपड़ों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 22 महिलाओं ने भाग लिया।
- गाँव में एक हितधारक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सरकार एवं अन्य विभागों के महत्वपूर्ण हितधारकों को आमंत्रित किया गया ताकि मौजूदा ढांचे में आपसी सहयोग एवं सहयोग का आदन–प्रदान किया जा सके तथा इसे और बेहतर बनाने के तरीके बताए जा सकें, जिससे क्षेत्र के ग्रामीण एवं आदिवासी समुदाय को लाभ होगा।
- फाउंडेशन के 5 सफल पूर्व छात्रों को सुविधा प्रदान की गई, जिनमें दो PwD भी शामिल थे। मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ICICI फाउंडेशन द्वारा विकास के क्षेत्र में उदयपुर की आदिवासी आबादी की आजीविका में सुधार के लिए ICICI फाउंडेशन, MPUAT, RAJUVAS एवं वन विभाग आदि जैसे अन्य शेयरधारकों के बीच तालमेल एवं सहयोग के बारे में चर्चा की गई।

➢ सब्जी, फल, मसाला उत्पादन एवं बागवानी :

- जायद की सब्जियों–मिर्ची, टमाटर, बैंगन आदि की खेती तथा 'कंद फसलों की खेती' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ।
- गाँव मदार में केन्द्रीय सेक्टर स्कीम– बागवानी के एकीकृत विकास मिशन, कालीकट एवं केरल के तहत बीज मसाले पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 35 पुरूष/महिला किसानों ने भाग लिया।
- गाँव मदार में स्थापित पोषण उद्यान में पपीता एवं नींबू लगाने का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 165 परिवारों को 210 कागजी नींबू, 131 पपीता एवं 786 रेड लेडी पौधे प्रदान किए गए तथा किसानों को न्यूट्री–गार्डन के बारे में भी जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त किसान महिलाओं को 196 बैंगन के पौधे वितरित किये गये।

➢ राष्ट्रीय पोषण प्रशिक्षण कार्यक्रम :

- पोषण पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर कटलेट, कोफ्ता, रतालू, चिप्स जैसे फ्रेच फ्राइज उत्पाद, शकरकंद का हलवा, शकरकंद की पूरी, पकौड़ी एवं मठरी आदि तैयार किए गए, जिसमें 30 महिलाओं ने भाग लिया।
- एफएसएन विभाग, सीसीएएस एवं एमपीयूएटी द्वारा गाँव में **'4th National Nutrition Month, 2021'** मनाया गया, क्षमता निर्माण कार्यक्रम सह प्रदर्शन का आयोजन किया गया तथा **'Healthy Diets for Healthy you'** व **'माँ एवं शिशु के लिए वरदान'** पर व्याख्यान दिये गये। इसके अतिरिक्त **''आहार में पोषक तत्वों का महत्व एवं स्वस्थ जीवन शैली में संतुलित आहार का महत्व''** विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 33 किसान महिलाओं ने भाग लिया।

➢ प्रदर्शन कार्यक्रम :

- गाँव में कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी पर एक प्रशिक्षण सह प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित कर लहसुन डी–ब्रेकिंग, एलोवेरा जेल निष्कर्षण एवं प्याज के छिलके हटाने वाली मशीनों पर प्रदर्शन दिया गया।
- वैज्ञानिकों द्वारा NADP कम्पोस्ट तैयार करने का प्रदर्शन किया गया।
- जैविक कृषि प्रौद्योगिकियों पर एक प्रशिक्षण सह प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 26 किसानों ने भाग लिया।
- गाँव में AICRP-FMP के वैज्ञानिकों द्वारा स्वचालित पावर वीडर एवं वर्टिकल स्प्रिंग ट्रैक्टर संचालित कल्टीवेटर के उपयोग पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सह प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- मदार गाँव के 35 किसानों को स्वचालित पावर वीडर एवं वर्टिकल स्प्रिंग ऑपरेटेड कल्टीवेटर के उपयोग पर व्यवहारिक प्रदर्शन प्रदान किया गया।
- IARI-NEP द्वारा ग्रीष्मकालीन सब्जी डेमन सीड्स ओकरा, काउपी, ऐमारैंथस, लौकी, तुरई किसानों एवं कृषि विज्ञान केन्द्र को उपलब्ध कराया गया।
- कृषि ड्रोन के सुभारंभ के दौरान ब्यू इन्फिनिटी एवं वैज्ञानिकों द्वारा ड्रोन के उपयोग पर प्रदर्शन दिया गया, जिसमें 150 से अधिक किसानों एवं अन्य अधिकारियों द्वारा भाग लिया गया।

➢ शिक्षा एवं शैक्षणिक सुविधाओं का उन्नयन :

- उच्च माध्यमिक विद्यालय, **मदार** में कृषि शिक्षा दिवस का आयोजन कर छात्रों को कृषि शिक्षा एवं सम्बन्धित पहलुओं के बारे में जागरूक किया गया, जिसमें 100 विद्यार्थियों एवं अध्यापकों ने भाग लिया।
- विधायक लेड फंड के तहत स्कूल के मैदान में चारदीवारी के निर्माण हेतु राशि रुपये **10.00** लाख की स्वीकृति प्राप्त हुई तथा कार्यादेश शीघ्र ही दिया जाएगा।

➢ तालाब निर्माण एवं जल संरक्षण कार्य :

- मदार गाँव के **छोटा मदार तालाब** की पहचान कर, उसे **''अमृत सरोवर''** के रूप में विकसित किया जा रहा है, वहाँ सफाई एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। 15 मनरेगा मजदूर उक्त कार्य में लगे हुए हैं। इसके अतिरिक्त मदार गांव में एनीकट की सफाई व गाद निकालने एवं मछली के बीज छोड़ने तथा मनरेगा मजदूरों का उपयोग कर वृक्षारोपण कार्य हेतु गड्ढे खोदने पर भी चर्चा की गई।
- गांव में **''जल उत्पादकता बढ़ाने''** हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर किसानों को पानी की उपलब्धता, उत्पादकता, गुणवत्ता, जल प्रदूषण एवं जल जनित रोगों, पानी को शुद्ध करने के तरीकों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही मिट्टी एवं जल संरक्षण प्रौद्योगिकियों, कुओं के पुनर्भरण एवं वृक्षारोपण पर भी चर्चा की गई।

- अखिल भारतीय समन्वित जल प्रबंधन अनुसंधान परियोजना तथा मृदा एवं जल अभियांत्रिकी विभाग के तत्वाधान में गांव मदार के पंचायत भवन में जल उत्पादकता बढ़ाने हेतु एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

➢ विभिन्न शिविरों का आयोजन :

- गाँव में डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र स्वयंसेवकों द्वारा एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 70 छात्रों ने भाग लिया।
- गाँव में मत्स्य पालन शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 39 छात्र स्वयंसेवकों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया।
- गाँव में जल संरक्षण, बालिका बचाओ, स्वच्छ भारत मिशन, व्यक्तिगत स्वच्छता एवं शौचालयों के उपयोग आदि मुद्दों पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें स्वच्छ दूध एवं खाद्य उत्पादों, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा पशु देखभाल के महत्व पर विशेष व्याख्यान दिया गया।
- गाँव में एक दिवसीय शिविर का आयोजन कर स्कूल परिसर के साथ–साथ गाँव की नालियों की सफाई की गई तथा ग्रामीणों को बालिका शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण, वृक्षारोपण एवं कृषि शिक्षा के बारे में भी जागरूक किया।
- सीटीएई परिसर, उदयपुर में कृषि इंजीनियरिंग मेला का आयोजन किया गया, जिसमें 1000 से अधिक किसान, उद्यमी शामिल हुए। कृषि विस्तार एवं पशुपालन संबंधी गतिविधियों से संबंधित जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों के बीच किसान क्रेडिट कार्ड, पशुपालन आधारभूत संरचना विकास कोष, AIF, PMSBY एवं PMIJBY की विभिन्न योजनाओं का प्रसार किया गया।

एमपीयूएटी सीएसआर/एमपी/एमएलए निधि से नवाचार–
(MPUAT- IIIrd Phase)

- नाबार्ड की वृहद वित्तीय सहायता से राशि **9.98** लाख राजकीय सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, मदार में 5 kw क्षमता के सोलर ट्री की स्थापना की गई। सौर ऊर्जा उत्पादित बिजली मिलने से विद्यालय के विद्युत व्यय में कमी आएगी।
- इण्डिया इंफोलाइन फाउंडेशन, मुम्बई द्वारा सीनियर सैकेंडरी स्कूल, मदार में कन्वेंशन हॉल (संलग्न वॉशरूम के साथ 60x40) के निर्माण हेतु **42.00** लाख अनुमानित लागत राशि की स्वीकृति दी गई।
- राजस्थान नॉलेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड, जयपुर द्वारा माननीय कुलपति के अनुरोध पर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मदार के लिए **37050.00** रुपये की लागत RO व एक वाटर कूलर प्रदान किया गया।
- श्री प्रताप लाल गमेती, विधायक, गोगुन्दा द्वारा गर्ल्स स्कूल, मदार में खेल मैदान के चारो ओर चारदीवारी के निर्माण हेतु सीईओ, जिला परिषद को राशि **10.00** लाख रुपये देने की घोषणा की गई।
- आरएसएमएम, उदयपुर द्वारा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, मदार में फर्नीचर की खरीद के लिए **3.94** लाख रुपये स्वीकृत किए गए तथा दिनांक 14.05.2022 को छात्रों, विद्यालय शिक्षकों एवं ग्राम प्रधानों की उपस्थिति में 149 स्टूल्स–टेबल्स एवं 4 बड़े आकार की आलमारी विद्यालय के रिकार्ड हेतु प्रधानाचार्य को सौंपे गये।
- इंडिया इंफोलाइन फाइनेंस लिमिटेट, मुम्बई द्वारा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मदार की 20 छात्राओं को रुपयें **3500**/– छात्रवृत्ति प्रदान की गई तथा विद्यर्थियों के लिए **20 एनड्रोएड टेबलेट्स** (पहले से उपलब्ध कराए गए 30 के अलावा) भी प्रदान किए गए तथा स्थानीय बिजनेस मैन द्वारा अपने पुत्र की स्मृति में सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मदार को **4 कम्प्यूटर सेट** भी दान में दिए गए।
- माननीय कुलपति महोदय द्वारा आगामी खरीफ सीजन के दौरान मक्के की फसल पर 300 परिवारों के साथ प्रदर्शन करने के लिए एक कंपनी को **3.0 लाख** रुपये का एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।
- आईआईएफएल, मुंबई द्वारा **30.00** लाख की लागत का कृषि ड्रोन विश्वविद्यालय को सौंपा गया। ड्रोन का उपयोग युवाओं के अनुसंधान, क्षमता विकास के साथ विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों व स्मार्ट विलेज में किसानों के खेत पर स्प्रे प्रदर्शन के लिए किया जाएगा। इस तरह का राजस्थान में पहला नवाचार है।
- राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, मदार में डिजिटल स्मार्ट क्लास रूम सुविधा विकसित करने के लिए मेसर्स जी.आर. इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, उदयपुर से **3.00 लाख** रुपये की स्वीकृति के प्रयास किए जा रहे हैं।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के माध्यम से गाँव मदार में भारत सरकार की परियोजना **'हर घर नल से जल'** को कार्यान्वित करने के लिए ग्रामीणों के साथ अपने हिस्से के **14.00** लाख रुपये का योगदान देने का प्रयास किया जा रहा है।
- गाँव में 250 मक्का प्रदर्शन पर एमपीयूएटी प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम आयोजित करने हेतु संसाधन व्यक्ति एवं रेडियों पार्टनर के रूप में **"RANJEET RADIO-A Digital on Tube"** समूहों के साथ पंजाब केसरी मीडिया समूह को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।

सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय का कुलाधिपति पुरस्कार : माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय द्वारा 04.11.2019 को आयोजित ''कुलाधिपति समन्वय समिति'' की बैठक में सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय को **''कुलाधिपति पुरस्कार''** दिये जाने की घोषणा की गई थी। समस्त राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों से राजभवन द्वारा निर्धारित फार्मेट प्रेषित कर सत्र 2020–21 के लिए निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप सूचना प्राप्त कर राजभवन द्वारा गठित कमेटी द्वारा उक्त सूचनाओं का परीक्षण किया जाकर महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर को राज्य का प्रथम **''कुलाधिपति पुरस्कार''** दिये जान हेतु चयनित किया गया। माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर को सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय का **''कुलाधिपति पुरस्कार''** प्रदान किया गया।